

व्यवस्थाविवरण : ऐतिहासिक प्रस्तावना (व्यव . 1-3)

सत्र 2; डॉ सिंथिया पार्कर

यह डॉ. सिंथिया पार्कर और व्यवस्थाविवरण की पुस्तक पर उनका शिक्षण है। यह सत्र 2 है, व्यवस्थाविवरण 1-3 की ऐतिहासिक प्रस्तावना।

परिचय

अब हम व्यवस्थाविवरण अध्याय 1 से 3 तक जाने जा रहे हैं। इसलिए, ये ऐतिहासिक अध्याय माने जाते हैं। यह सब परिचय का हिस्सा है, और जैसे ही हम व्यवस्थाविवरण के परिचय की ओर बढ़ते हैं, हमें यह पहचानने की आवश्यकता है कि हम पूरी पुस्तक के लिए मंच तैयार कर रहे हैं। तो, कुछ तो बात है कि हम इन चीज़ों के बारे में बात क्यों कर रहे हैं? पुस्तक का उद्देश्य क्या है? इसलिए, हम मंच तैयार कर रहे हैं, जिसका मतलब है कि हमें खुद को भौगोलिक रूप से स्थापित करने की आवश्यकता है। हम कहाँ पर ध्यान देते हैं क्योंकि, जैसा कि हमने पिछले व्याख्यान में कहा था, कहाँ या भूमि बहुत महत्वपूर्ण है। इसलिए, इन पहले तीन अध्यायों में हमारे पास बहुत सारी भौगोलिक जानकारी है।

इसलिए, हमें यह देखने की ज़रूरत है कि भूमि के साथ क्या हो रहा है, लेकिन हमें ऐतिहासिक रूप से भी रखा जा रहा है। तो, कथा के अनुसार, हम कहाँ हैं? और हमें बहुत सारी जानकारी मिलती है जो पहले कुछ छंदों में ही छिपी होती है। जब हम व्यवस्थाविवरण शुरू करते हैं, तो हम बस दौड़ना शुरू करते हैं, और शुरुआत में ही बहुत सारी जानकारी होती है।

इसलिए, हम अपना अधिकांश समय खुद को भौगोलिक रूप से रखने में बिताएंगे, और फिर हम ऐतिहासिक कथा वाले हिस्से को भी उठाएंगे। इसलिए, इससे पहले कि हम व्यवस्थाविवरण की पुस्तक से जुड़ें, मैं आपको बड़े संदर्भ से परिचित कराता हूँ क्योंकि यह मूल दर्शकों के लिए बहुत सहज रहा होगा, जो अब हमारे लिए कम सहज हो गया है।

मानचित्र: नदी संस्कृतियाँ: मिस्र और मेसोपोटामिया

तो, मैं एक मानचित्र का चित्र लगाने जा रहा हूँ। यह मानचित्र संभवतः आपमें से कई लोगों को परिचित लगेगा। मुझे यह मानचित्र बाइबिल पृष्ठभूमि से मिला है। तो, बाइबिल पृष्ठभूमि एक ऐसी कंपनी है जो बहुत सारे विस्तृत मानचित्र तैयार करती है जो मुख्य रूप से बाइबिल की कहानियों और बाइबिल की भूमि से संबंधित हैं। मानचित्र बहुत सस्ते हैं। मैं अत्यधिक अनुशंसा करूंगा कि हर एक व्यक्ति जाकर मानचित्र खरीदें और मानचित्र का कुछ काम करें - उन मानचित्रों पर चिह्न लगाना। तो Biblicalbackgrounds.com या Bibback.com उनकी वेबसाइट है, लेकिन ये मानचित्र उन्हीं से हैं।

मैंने मानचित्र के शीर्ष पर, वे हरी रेखाएँ खींचीं। तो, आप देखेंगे कि दक्षिण में एक हरी रेखा है। और इसलिए, यह दक्षिणी हरी रेखा नील नदी के ठीक ऊपर खींची गई है। यह उद्देश्य के लिए हरा है क्योंकि नील नदी हर साल अपने तटों पर बाढ़ लाती है, और जब बाढ़ आती है, तो इसके किनारे उत्पादन करते हैं, यह बहुत सारी उपजाऊ मिट्टी लाता है और इसे नदी के किनारों के दोनों ओर डंप कर देता है। तो, आपके पास नील नदी के किनारे ताज़ा पानी और बहुत मूल्यवान मिट्टी है जिस पर कृषि उत्पादन करना बहुत आसान है। और इसलिए, हमारे पास कुछ सबसे पहले मानव निवास हैं, जैसे मनुष्य जो बस रहे हैं, जो अनाज की फसलों के साथ कृषि का विकास कर रहे हैं। ऐसा करने वाले पहले मानव समुदायों में से कुछ यहाँ नील नदी के किनारे पाए जाते हैं।

अब, मेरे पास एक और हरी रेखा है, और यह मेसोपोटामिया में उत्तर की ओर है। तो, यह टाइग्रिस और यूफ्रेट्स के प्रवाह का अनुसरण करता है जो फारस की खाड़ी में इस तरह से बहती हैं। अब टाइग्रिस और फ़रात नील नदी के समान हैं; उनमें हर साल बाढ़ आती है। वहाँ प्रचुर मात्रा में ताज़ा पानी है, और वहाँ बहुत सारी अद्भुत उपजाऊ मिट्टी है। नदियों के किनारों पर मिट्टी की बाढ़ आ जाती है। इससे कृषि का विकास करना बहुत आसान हो जाता है। तो, जैसे कुछ पहली मानव स्थायी बस्तियाँ नील नदी के नीचे पाई गईं, वे भी यहाँ मेसोपोटामिया में पाई गईं। तो, हम जो खोज रहे हैं वह यह है कि भूगोल द्वारा प्रोत्साहित नदी समुदाय मनुष्यों को बसने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

नदियाँ और मानव समुदाय

अब, हम ऐतिहासिक रूप से यह भी पाते हैं कि चूँकि ये नदियाँ इतनी शक्तिशाली हैं, इसलिए ये आसानी से समुदायों को एकजुट कर देती हैं। मान लीजिए कि मैं एक समुदाय में रहता हूँ और मैं इनमें से एक नदी के करीब हूँ, और इसलिए मेरा कृषि मौसम नदी के बाढ़ चक्र के अनुसार होता है। और मान लीजिए कि आपने नदी से थोड़ा आगे एक समुदाय बनाने का निर्णय लिया है। एक वर्ष मेरे पास बहुत अधिक गेहूँ हो सकता है, और हो सकता है आपके पास बहुत अधिक सन हो। खैर, हमारे समुदायों के लिए एक बहुत ही सरल बेड़ा बनाना और नदी के ऊपर या नीचे तैरना और वस्तुओं का आदान-प्रदान करना और वस्तु विनिमय करना बहुत आसान है। खैर, हम इस रिश्ते में प्रवेश कर सकते हैं जो पीढ़ियों तक चलता है, और हम दूसरे समुदाय से परिचित हो जाते हैं; संचार बहुत आसान था। इससे पहले कि आप इसे जानें, हम सरकार की प्रणालियाँ स्थापित करने में सक्षम हैं। हम सरकार को कर देते हैं, और इससे पहले कि आप यह जानें, सरकार बाहर जा रही है और दुनिया पर विजय प्राप्त कर रही है।

यह थोड़ा सरल है, लेकिन मूल रूप से, यह हमें बताता है कि इन नदी समुदायों के साथ क्या होता है। तो, पूरे नील नदी के किनारे, और पूरे टाइग्रिस और यूफ्रेट्स के किनारे, बाइबिल के पूरे इतिहास में हमारे पास ऐसे समुदाय हैं जो उन क्षेत्रों में विकसित हुए हैं। वे बहुत मजबूत सरकारों और राज्यों को विकसित करने और बढ़ावा देने में सक्षम थे, जो किसी समय बाहर चले गए और मानचित्र पर शेष भूमि पर कब्जा कर लिया।

उपजाऊ वर्धमान के मध्य: बीच की भूमि

यह वह क्षेत्र है जिसे हम उपजाऊ क्रीसेंट कहते हैं, लेकिन क्रीसेंट के किनारों पर ही वे एकमात्र स्थान हैं जहाँ हमारे पास ये शक्तिशाली नदियाँ हैं। खैर, हम वास्तव में बाइबिल की कथा में रुचि रखते हैं, तो बाइबिल की कथा कहाँ घटित होती है? खैर, इसके लिए, हम यहीं अर्धचंद्र के केंद्र को देखने जा रहे हैं।

और मुझे पता है कि यह थोड़ा सा धुल गया है, शायद इस तस्वीर में, लेकिन इस मानचित्र पर भूमि का रंग बहुत गहरा भूरा है, और यह ऊंचे पहाड़ों को प्रदर्शित करने के लिए है। इस भूमि में कोई शक्तिशाली नदी नहीं है, जिसका अर्थ है कि संचार विकसित करने का कोई आसान तरीका नहीं है; वहां मौजूद लोगों को एकजुट करने का कोई आसान तरीका नहीं है। वास्तव में, सभी पहाड़, बनावट, मोड़ और पहाड़ियों की तहें वास्तव में लोगों को एकजुट होने से रोकती हैं। तो, यदि आपके और मेरे पास समुदाय थे और हम समान दूरी पर थे, लेकिन हम नदी के नीचे के बजाय पहाड़ों में ऊपर हैं, यदि आप बस ऊपर और पहाड़ी के किनारे पर हैं क्योंकि मैं आपको नहीं देख सकता और क्योंकि मेरे लिए आप तक पहुंचना बहुत कठिन है, मुझे आप पर संदेह होने वाला है। मैं आवश्यक रूप से आपको अपने समुदाय के हिस्से के रूप में स्वीकार नहीं करना चाहूंगा। इसलिए, उपजाऊ वर्धमान के मध्य भाग में रहने वाले लोगों को एकजुट करना अधिक कठिन है। और फिर भी, यह भूमि का वह भाग है जिसमें हमारी बाइबिल की अधिकांश कथाएँ समाहित हैं। जब तक हम सुसमाचारों से परे नहीं निकल जाते, हमारी लगभग सारी कथाएँ इस अंडाकार के अंदर घटित हो रही होती हैं।

तो, यह अपने आप में है, और हम अभी तक व्यवस्थाविवरण तक नहीं पहुंचे हैं, लेकिन मुझे अभी भी लगता है कि यह वास्तव में एक आकर्षक अवधारणा है जो राज्य के प्रकार में खेलती है जिसे भगवान को अपने लोगों को विकसित करना चाहिए क्योंकि वह जानबूझकर उन्हें स्थापित नहीं कर रहा है ऐसी जगह पर जहां वे बाहर जा सकें और दुनिया को जीत सकें। यदि वह ऐसा चाहता तो उसे इन्हें मिस्र या मेसोपोटामिया में नदियों के किनारे रखना पड़ता। इसके बजाय, उसने उन्हें यहां रख दिया। तो, उस तरह की भूमि में रहकर एक निश्चित प्रकार का सबक सीखा जाता है। और जब हम उन कानूनों के प्रकार के बारे में सोचना शुरू करेंगे जो भगवान ने अपने लोगों को दिए हैं - कानून, वे सहायक संकेत, कि एक पूर्ण मानव अस्तित्व कैसे जीया जाए, तो हम थोड़ी देर बाद इस पर विचार करेंगे।

व्यापार मार्ग

अब हम कर सकते हैं; आगे बढ़ने से पहले, हमें यह तय करना होगा कि यदि भूमि लाभ नहीं है तो वास्तव में लाभ क्या है; यदि वे बाहर नहीं जा सकते और दुनिया को जीत नहीं सकते, तो क्या इस भूमि को कोई अन्य लाभ है? आखिर यह जगह क्यों होगी?

खैर, मैं आपको एक अलग नक्शा दिखाने जा रहा हूँ जहाँ मैंने थोड़ा ज़ूम आउट किया है। और मैंने इस मानचित्र पर बहुत सारे अलग-अलग तीर बनाये हैं। तो, हमारे पास नीले या नीले-बैंगनी तीर हैं। वे वहाँ हमारे लिए समुद्री व्यापार मार्गों को चिह्नित कर रहे हैं। और फिर मेरे पास लाल तीर हैं जो भूमि व्यापार मार्गों को चिह्नित कर रहे हैं। और इसलिए, यदि आप एक क्षण रुकें और मानचित्र को देखें, तो आप देखेंगे कि सभी बड़े साम्राज्य एक-दूसरे के साथ व्यापार करना चाहते हैं। तो, हमारे पास मिस्र है, जो मेसोपोटामिया के साथ व्यापार करना चाहता है। मेसोपोटामिया आधुनिक ग्रीस के साथ व्यापार करना चाहता था। ये वे स्थान हैं जहाँ का भूगोल, और उस भूगोल से निकलने वाली उपज बहुत मूल्यवान है। इसलिए, बड़े व्यापारिक लोग बड़े व्यापारिक लोगों के साथ खेलना चाहते हैं। आधुनिक समय में, हम कह सकते हैं कि यह ऐसा है जैसे संयुक्त राज्य अमेरिका चीन के साथ व्यापार करना चाहता है क्योंकि चीन अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य पर एक प्रमुख खिलाड़ी है और संयुक्त राज्य अमेरिका भी। हम उन व्यापार गठबंधनों की बहुत परवाह करते हैं, जहाँ फिलीपींस के साथ व्यापार शायद उतना नहीं होता। हम अभी भी इसकी परवाह करते हैं, और हम अभी भी फिलीपींस के साथ व्यापार कर रहे हैं, लेकिन हम चीन के व्यापार के बारे में अधिक परवाह करते हैं। यह प्राचीन निकट पूर्वी समकक्ष होगा। इसलिए, वे व्यापार मार्ग बहुत मूल्यवान हैं क्योंकि वे परिदृश्य में बड़े खिलाड़ियों को जोड़ते हैं।

लेकिन जब आप इस मानचित्र पर नज़र डालते हैं, तो आपको उन सभी व्यापार मार्गों के बारे में क्या नज़र आता है? खैर, उन सभी को भूमि के इस मध्य भाग से होकर गुजरना होगा। यह भूमि, जिसमें बाइबिल की बहुत सारी कथाएँ समाहित हैं, अपने आप में मूल्यवान नहीं हो सकती हैं। लेकिन जो गुजर रहा है उसके कारण यह मूल्यवान है।

व्यवस्थाविवरण इस पर चर्चा करेगा क्योंकि व्यवस्थाविवरण इस स्थान के लिए एक निर्णायक दर्शन है जिसमें लोग परमेश्वर के आदेशों के अनुसार जानबूझकर वहां रहने के लिए जा रहे हैं; लोग, इस्राएली, अन्य राष्ट्रों की खातिर वहां हैं, और हम अध्याय 4 में इस पर चर्चा करेंगे। इसलिए, हमारे अगले व्याख्यान में, आपको इस मानचित्र को ध्यान में रखना होगा। तो, यह बड़ा संदर्भ है कि लोग भीतर रह रहे हैं। तो, सभी व्यापार मार्ग बाइबिल की उस भूमि से होकर गुजरते हैं, इसलिए जो लोग यहां रहते हैं वे कभी भी बाहर जाकर दुनिया को जीतने में सक्षम नहीं होंगे। उनकी भूमि ऐसा होने की अनुमति नहीं देती है, लेकिन दुनिया के लोग उस भूमि से होकर आते हैं, और यह हमारे लिए महत्वपूर्ण होगा।

एक विदेशी के रूप में पितृसत्तात्मक प्रवास

ठीक है, तो हमने खुद को भौगोलिक दृष्टि से रखने के बारे में बात की। मैं भी इस बड़े चित्र को बनाना चाहता हूं, खुद को भौगोलिक रूप से और जहां तक कथा जाती है, वहां तक रखते हुए। तो हमारे पास पितृसत्ताओं की कहानियाँ हैं, व्यवस्थाविवरण से पहले हमारे पास मौजूद सभी आख्यान हमें खानाबदोश जीवन शैली दिखा रहे हैं। हमारे पास ऐसे लोग हैं जो व्यवस्थाविवरण तक एक स्थान से दूसरे स्थान पर परिवर्तन कर रहे हैं, और व्यवस्थाविवरण कह रहा है, अब, अंदर जाओ और अपने आप को रोपो, और गहरी जड़ें जमाओ और विकसित करो, और भूमि पर खेती करो।

उससे पहले, हम पितृसत्ताओं की कहानियों में देखेंगे कि वे भूमिहीन हैं। तो, वे प्रवासी हैं, जिसका अर्थ है कि वे जगह-जगह परिवर्तन करने वाले लोग होंगे। और भले ही इब्राहीम बाइबिल की भूमि में बहुत समय बिताता है, लेकिन उसके जीवन के अंत तक उसके पास कोई जमीन नहीं है। इसलिए, ज़मीन के मालिक होने के बिना, आपके पास ज़मीन पर बहुत अधिक अधिकार नहीं हैं। तो, वह एक विदेशी जगह पर एक विदेशी है।

नदी स्थानों के अंदर और बाहर पितृसत्तात्मक कहानी

इसलिए, जैसे-जैसे हम इसका अनुसरण करेंगे, हम बाइबल की भूमि पर अपनी नज़र रखेंगे। लेकिन हम मानते हैं कि इब्राहीम, उर से आ रहा है, हारान से होकर, इस अज्ञात स्थान पर जाने के लिए भगवान के आह्वान का पालन कर रहा है, भूमि को पीछे छोड़ रहा है, भगवान के परिवार को इस नए स्थान पर ले जा रहा है। हम इब्राहीम को भी खोजते हैं, लेकिन फिर भी, हम भी पहले इब्राहीम का अनुसरण करेंगे। इब्राहीम के देश में जाने के कुछ समय बाद ही सूखा पड़ गया, इसलिए इब्राहीम निकल गया और मिस्र चला गया, और तब परमेश्वर ने कहा कि मिस्र में मत रहो। वापस बाहर आओ. और वह ऐसा ही करता है.

हमारे पास इसहाक है। तो, इब्राहीम के बाद, इसहाक। आइए अब जैकब की कहानी का अनुसरण करें। जैकब, जब वह एसाव के साथ लड़ रहा है, अपने पिता के पुराने गृहनगर की ओर भाग रहा है, और यहां परिवार टूटनेगा और शादी करेगा और बच्चे पैदा करेगा और अपनी संपत्ति बढ़ाएगा। लेकिन उसे भी इस देश में वापस आने के लिए बुलाया गया है। उसके बाद उसके वंशज हमारे पीछे हैं, मुख्य रूप से यूसुफ, मिस्र में जा रहा है, और उसके बाद उसके सभी भाई; सूखे के कारण फिर से मिस्र में जाने का दबाव है।

अब अगर हम वहां रुकते हैं, तो हम अभी भी व्यवस्थाविवरण की कहानी पर नहीं हैं, लेकिन अगर हम वहां रुकते हैं और सोचते हैं कि यह वास्तव में व्यवस्थाविवरण की किताब का एक उल्लेखनीय अग्रदूत है क्योंकि क्या होता है कि भगवान ने अपने लोगों को नदी से बाहर बुलाया है रहने के लिए बहुत कठिन जगह पर पहुँच गए हैं, और वे नदी की भूमि में चले गए हैं, और भगवान उन्हें बुलाते रहते हैं, मेसोपोटामिया तक और भगवान उन्हें बुलाते रहते हैं। और इसलिए, शक्तियों के बीच यह प्रवास चल रहा है, और भगवान अभी भी अपने लोगों से कहते हैं, यही वह जगह है जहां मैं चाहता हूँ कि आप रहें। यहीं पर हमें अपनी कथा समाप्त करनी है।

मिस्र से निकलकर माउंट सिनाई तक

तो, हमारे पास व्यवस्थाविवरण का आरंभिक भाग हमें एक आख्यान देने जा रहा है जो इस मानचित्र से मेल खाता है। तो, इस मानचित्र पर, यह गुलाबी, गुलाबी-लाल रंग की रेखा अंतर्राष्ट्रीय

राजमार्ग है। तो, अधिकांश लोग इसी तरह से मिस्र के अंदर और बाहर यात्रा करेंगे। ध्यान दें कि यह भूमध्य सागर के ठीक साथ-साथ चलता है।

हालाँकि, इस्राएली लोग, यदि हम निर्गमन और संख्याओं की पुस्तकों का अनुसरण करते हैं, तो लोग मिस्र से बाहर आते हैं और वे यहीं नीचे कहीं दक्षिण की ओर जाते हैं, माउंट सिनाई। ऐसे कुछ विवादास्पद स्थान हैं जिनके लिए माउंट सिनाई माउंट सिनाई है। लेकिन कानून प्राप्त करने, ईश्वर से टोरा प्राप्त करने के लिए सिनाई प्रायद्वीप के दक्षिणी क्षेत्रों में चले गए। वहाँ कादेश बर्निया तक भटकना है, वहाँ भूमि में असफल प्रवेश द्वार है, और वे असफल होते हैं, और भगवान कहते हैं कि आप 40 वर्षों तक जंगल में घूमते रहेंगे। इसलिए, वे भूमि के इस हिस्से से होते हुए आधुनिक इलियट के करीब और फिर रिफ्ट घाटी के इस पूर्वी हिस्से में घूमते हैं।

यह सब कथा का हिस्सा है और जहां हम व्यवस्थाविवरण के बिल्कुल शुरुआती हिस्से में पहुंचते हैं। तो, जब तक व्यवस्थाविवरण शुरू होगा, और हम इसे बस एक क्षण में पढ़ेंगे, लोग मोटे तौर पर यहीं हैं और उस भूमि की ओर देख रहे हैं जिसे भगवान ने उन्हें देने का वादा किया है।

व्यवस्थाविवरण 1:1 और एक भौगोलिक संदर्भ

आइए एक क्षण रुकें और व्यवस्थाविवरण की पुस्तक से कुछ छंद उठाएँ। तो, मैं व्यवस्थाविवरण, अध्याय 1 से पढ़ूंगा। तो, यह कहता है, व्यवस्थाविवरण 1 श्लोक 1 से शुरू होता है: "ये वे शब्द हैं जो मूसा ने जॉर्डन के पार सभी लोगों से कहे थे," जिसका अर्थ जॉर्डन के पूर्वी हिस्से में था। और अगर हम बस एक सेकंड के लिए रुकें, भले ही हम बाद तक लेखकत्व के बारे में बात नहीं कर रहे हों, एक चीज जो हम शुरू से ही नोटिस करते हैं वह यह है कि यहां एक संपादक के हाथ का सबूत है क्योंकि हमें बहुमत मिलता है वह पुस्तक जो मूसा के मुँह में डाली गई है। यह ऐसा है जैसे मूसा ही बोल रहा हो। ये मूसा के उपदेश हैं जब वह लोगों से बात कर रहा था। वह अपने सैनिकों को यह प्रोत्साहन दे रहा है, उन्हें अपने से आगे भेज रहा है। लेकिन हम पहले से ही देख सकते हैं। ये क्षण हमें व्यवस्थाविवरण की पूरी किताब में मिलते हैं, जहां हम इस संपादकीय हाथ को देखते हैं जहां यह तीसरा व्यक्ति बन जाता है। तो हमारे यहाँ पहले से ही यही है। तो, "ये वे

शब्द हैं जो मूसा ने इस्राएल में सभी से कहे थे।" तो, हमारे पास यह बाहरी संपादक है जो हमें समझा रहा है कि क्या हो रहा है।

और फिर हमें एक भौगोलिक स्थान मिलता है। इसमें कहा गया है, "जॉर्डन के पार, अराबा के सामने जंगल में, सूफ , पारान और तोपेल , लाबान, हसेरोत और दिज़ाहाब के बीच।" ये सभी स्थान, खैर, ये सभी नहीं, लेकिन हम निश्चित रूप से निश्चित नहीं हैं कि ये सभी कहाँ हैं। उनमें से कुछ ज्ञात हैं, और उनमें से कुछ ज्ञात नहीं हैं, लेकिन यह हमें एक बुनियादी प्रक्षेप पथ दे रहा है कि हमें यहाँ तक लाने के लिए इस्राएली कहाँ थे।

संपादक का ऐतिहासिक समय निर्धारण

तो हमें एक समय सीमा भी मिल जाती है. "यह होरेब से 11 दिनों की यात्रा है," और होरेब माउंट सिनाई के संदर्भ में व्यवस्थाविवरण का संस्करण होने जा रहा है। तो होरेब, हर बार जब इसका उपयोग किया जाता है, तो यह माउंट सिनाई का संदर्भ देता है।

तो, "होरेब से सेईर पर्वत के रास्ते कादेश बर्निया तक ग्यारह दिन की यात्रा है।" तो, याद रखें कि वह बड़ा मरूद्यान था जहां लोग थे।

"40वें वर्ष के ग्यारहवें महीने के पहिले दिन को मूसा ने हेस्बन में रहनेवाले एमोरियोंके राजा सीहोन को परास्त करने के बाद इस्राएलियोंसे उन सब बातोंके अनुसार बातें की जो यहोवा ने उन्हें देने की आज्ञा दी थी । और बाशान का राजा ओग, जो अशतारोत और एद्रेई में रहता था। इन दो राजाओं के साथ ये दो कहानियाँ हम व्यवस्थाविवरण के दूसरे अध्याय में लेने जा रहे हैं, इसलिए हम इसे छोड़ देंगे। लेकिन हम देख रहे हैं कि यह संपादक हमें संदर्भ, भौगोलिक संदर्भ और ऐतिहासिक संदर्भ दे रहा है। तो, हमें एक समय सीमा मिल गई है, यह इस घटना के बाद है, और यह इस घटना के बाद है, मूसा बोलने के लिए उठता है।

मूसा - श्रोता कौन है? "आप"

तो, श्लोक 5 में कहा गया है, "जॉर्डन के पार, मोआब की भूमि में, मूसा ने इस कानून को समझाने का बीड़ा उठाया।" और अब हमें मूसा के शब्द मिलते हैं, "हमारे परमेश्वर यहोवा ने होरेब में हम से कहा, 'तुम इस पर्वत पर बहुत दिन तक रह चुके हो।'"

ठीक है, तो हम एक बार और रुकेंगे। यह उस चीज़ का एक और परिचय है जिसे करने में ड्यूटेरोनॉमी काफी अच्छी है। मैं आपसे पूछ सकता हूँ कि व्यवस्थाविवरण का वास्तविक श्रोता कौन है? और अगर हम इस कविता को पढ़ते हैं जिसे मैंने अभी पढ़ा है, तो हम कहेंगे कि तत्काल श्रोता वे लोग हैं जो मूसा के साथ यहां हैं, जो मूसा को बोलते हुए सुन रहे हैं। मूसा कहते हैं, "हमारे परमेश्वर यहोवा ने होरेब में हम से बातें कीं।"

अब, अगर हम इसके बारे में संदर्भ में सोचते हैं और हम ऐतिहासिक रूप से उन इस्राएलियों के बारे में जानते हैं जो मूसा के साथ यात्रा कर रहे थे, तो यह दूसरी पीढ़ी है जो अब भूमि के बाहर मूसा के साथ खड़ी है। पहली पीढ़ी वह पीढ़ी है जो होरेब में या सिनाई पर्वत पर मूसा के साथ थी।

व्यवस्थाविवरण चीज़ों को जोड़ता है और पूरे व्यवस्थाविवरण में हर समय उन्हें एक साथ लाता है, लेकिन हम इसे यहां पहली बार देख रहे हैं। जब मूसा बोल रहा है, तो वह आपको संबोधित कर रहा है। और यह आप हैं, कहानी के श्रोता; यह आप हैं, दर्शक उसके साथ खड़े हैं, लेकिन वह कहता है, "आप सिनाई में मेरे साथ थे।"

क्या वे वास्तव में वहां थे? शायद उनमें से कुछ, शायद वे सिनाई में उस समय शिशु या छोटे बच्चे थे। शायद। या हम जो कर रहे हैं वह यह है कि व्यवस्थाविवरण पीढ़ियों से सभी इस्राएलियों को संबोधित कर रहा है। ऐसा माना जाता है कि यह एक ऐसी शिक्षा है जो हर किसी पर लागू होती है, चाहे वे किसी भी पीढ़ी में हों। और इसलिए, पहले से ही व्यवस्थाविवरण की शुरुआत में, हम मूसा से आपको संबोधित करवा रहे हैं, और सामूहिक रूप से आप सभी यहाँ खड़े होकर मुझे सुन रहे हैं। , लेकिन यह आप हैं - पीढ़ियों की गहराई, हर पीढ़ी। आप, भले ही माउंट सिनाई में आपके माता-पिता या आपके दादा-दादी रहे हों। यह आप सभी एक साथ हैं - जो वहां थे, जो सुन रहे थे। यह सब आपका इतिहास है। यह सब, यह आपका है। और यह बताता है

कि वर्तमान में आप जहां हैं वहां क्यों हैं। तो, यह वास्तव में व्यवस्थाविवरण में "आप" के रूप में काफी सामने आने वाला है, क्योंकि व्यवस्थाविवरण "आप" कहता रहता है और आपको संबोधित करता है। यह विस्तृत है, हर कोई वहां है, और यह गहरा है, कई पीढ़ियां हैं।

व्यवस्थाविवरण 1:7

ठीक है, तो श्लोक 7 में, तो, यह अध्याय 1 श्लोक 7 है: "मुझे और अपनी यात्रा शुरू करें और एमोरियों के पहाड़ी देश में और अराबा में उनके सभी पड़ोसियों के पास जाएं, पहाड़ी देश में, तराई में, में समुद्र तट के नेगेव तक, महानदी अर्थात् परात नदी तक कनानियों और लबानोन की भूमि।"

और फिर आयत 8 में कहा गया है, "देख, मैं ने उस देश को तेरे साम्हने रख दिया है। जिस देश को यहोवा ने इब्राहीम, इसहाक, और याकूब, और उनके पश्चात् उनके वंशोंको तुम्हारे पुरखाओंको देने की शपथ खाई या, उस में जा कर उसको अपने अधिकार में कर लो।"।"

अब, पिछली कविता में हमारे पास मौजूद स्थानों के नामों की सूची नामों की कोई यादृच्छिक सूची नहीं है। यह वास्तव में काफी विशिष्ट है, और हम लगभग उन सभी स्थानों को इस मानचित्र पर रख सकते हैं।

अराबा

तो, पहला उल्लेख अराबाह का है। अराबा दरार घाटी है। यह मृत सागर के क्षेत्र से लेकर दक्षिण तक, मृत सागर के पार तक फैला हुआ है। कभी-कभी बाइबिल साहित्य में, जब यह अराबा को संदर्भित करता है, तो यह जॉर्डन घाटी का भी उल्लेख करता है, यानी गलील सागर और मृत सागर के बीच का क्षेत्र। तो, कभी-कभी यह पूरा क्षेत्र होता है। कभी-कभी अराबा मृत सागर के ठीक दक्षिण में है, लेकिन हम यहां बस इस रंग को चित्रित करने जा रहे हैं और मोटे तौर पर कहेंगे, यह अराबा, रिफ्ट वैली है।

पहाड़ी देश और शेफेला [तराई भूमि]

तो पद 7 में यह पहला भौगोलिक स्थान का नाम है। अगला कहता है, "और अराबा में, पहाड़ी देश में उनके सभी पड़ोसियों के लिए।" खैर, पहाड़ी देश यहीं है। यह यहूदा का पहाड़ी प्रदेश होगा। यदि हमें और आगे उत्तर की ओर जाना होता, तो यह बिन्यामीन, एप्रैम, और मनश्सा की भूमि का भी भाग होता। यह सब पहाड़ी प्रदेश है।

सूचीबद्ध अगला स्थान कहता है, "तराई में।" तराई भूमि, या यह शेफेलह, जिसे हिब्रू में वास्तव में शेफेलह कहा जाता है, लेकिन इसका वास्तव में अर्थ है "निचली भूमि।" और हमारे पास पहाड़ी देश के ठीक पश्चिम में है; हमारे पास यह एक छोटा सा क्षेत्र है जहां पहाड़ी देश की पहाड़ियाँ, बहुत खड़ी, पहाड़ी देश की वी-आकार की पहाड़ियाँ तट की ओर पिघलती हैं। और इस एक छोटे से क्षेत्र में, वे बहुत ही कोमल, घुमावदार पहाड़ियाँ बन जाते हैं; घाटियाँ खुल जाती हैं, और आप उत्तर, दक्षिण और पश्चिम तक बहुत कुछ देख सकते हैं। आपकी क्षितिज रेखा खुल जाती है, लेकिन आप अभी भी कुछ पहाड़ियों के भीतर हैं। ज़मीन पर अभी भी काफ़ी बनावट है।

अब, ये पहाड़ियाँ केवल नीची हैं, यदि आप इन्हें पहाड़ी देश की ऊँची पहाड़ियों के सुविधाजनक बिंदु से देख रहे हैं। यहाँ के पहाड़ी प्रदेश से होते हुए हमारे पास शेफेला या तराई क्षेत्र हैं।

नेगेव

अगला भौगोलिक स्थान, यह कहता है, नेगेव। तो, नेगेव यहाँ नीचे है। यह वास्तव में भूमि का एक बहुत पतला बैंड है। यह पहाड़ी देश और शेफेला के ठीक दक्षिणी किनारे पर स्थित है। यदि मैं मानचित्र को बढ़ाऊँ और इसे विस्तार से देखूँ, तो यह लगभग एक अनंत चिह्न जैसा दिखता है, जैसे आठ की आकृति को इसके किनारे पर थोड़ा सा धकेल दिया गया है। तो, यह भूमि का वास्तव में एक संकीर्ण क्षेत्र है। यह सबसे दक्षिणी भूमि है जहाँ लोग रह सकते थे।

यदि आप नेगेव से आगे दक्षिण की ओर जाते हैं, तो यहां मानचित्र पर यह क्षेत्र निर्जन भूमि है। वहाँ पर्याप्त बारिश नहीं है, और लोगों के जीवित रहने के लिए पर्याप्त अच्छी मिट्टी नहीं है, यहाँ तक कि भेड़-बकरियों के लिए भी नहीं। अतः यह बहुत कठोर भूमि है। यह वह जगह है जहां

इस्राएली 40 वर्षों से ऐसे इलाके में भटक रहे थे जो इस तरह दिखता है। नेगेव आखिरी जगह है जहां आप वास्तव में एक शहर बना सकते हैं, और आप एक शहर का समर्थन कर सकते हैं। तो, यह सबसे दक्षिणी भूमि होगी।

अब, इसमें भ्रमित होने की जरूरत नहीं है क्योंकि आधुनिक समय में, जब लोग इज़राइल जाते हैं, तो वे नेगेव के बारे में बात करते हैं और उनका मतलब इस क्षेत्र से लेकर इलियट तक होता है। हालाँकि, बाइबिल में, जब भी आप नेगेव का संदर्भ देखते हैं, तो इसका मतलब यहां तलहटी के दक्षिणी छोर पर स्थित छोटा बैंड है।

समुद्र-तट

अगले भौगोलिक क्षेत्र के लिए, यह कहता है, "और समुद्री तट।" तो सुदूर पश्चिम तक वह अच्छा बड़ा चौड़ा खुला तटीय मैदान।

"कनानियों की भूमि," और फिर हमें कुछ क्षेत्र मिलते हैं जो मानचित्र से ऊपर हैं, "लेबनान, और महान नदी, फ़रात नदी तक।" तो, हम जो देखते हैं वह यह है कि इस पहले परिचय में भी, जैसा कि हमारे संपादक हमारे लिए समझा रहे हैं या जैसे मूसा समझा रहे हैं कि वे कहाँ जा रहे हैं, जब वे भूमि को देख रहे हैं और इन भौगोलिक स्थानों की सूची बना रहे हैं, तो हम जो देखते हैं वह है बहुत तार्किक क्रम में. कोई है जो भूमि से बहुत परिचित है, जो अराबा में, पहाड़ी देश में, शेफेला में, नेगेव में, और समुद्रतट में, और फिर दक्षिण में आगे के सभी क्षेत्रों में कह सकता है।

तो, मूसा लोगों से बात कर रहा है, और वह एक प्रकार से कारण बता रहा है कि हम यहाँ क्यों खड़े हैं। लेकिन हमने वह पहले ही देख लिया था। हम यहाँ हैं; मूसा वहाँ लोगों से बातें कर रहा है क्योंकि परमेश्वर ही विश्वासयोग्य है। क्योंकि परमेश्वर ने कहा, यही वह देश है जिसे मैं ने इब्राहीम, इसहाक, और याकूब को देने का वचन दिया था। और उसके कारण, आप यहाँ हैं। यह स्पष्ट रूप से आपके द्वारा किए गए किसी भी काम के लिए नहीं है, बल्कि इसलिए है क्योंकि ईश्वर ही वह व्यक्ति है जो लोगों को अंदर लाने के लिए वफादार है।

नेतृत्व संरचनाएँ

तो, कथा के अगले भाग में, जैसा कि हमें इस संगठन, सरकारी ढांचे के बारे में थोड़ा पता चलता है, जब मूसा लोगों के साथ जंगल में था, और वहां बहुत सारे लोग थे। उनके पास बहुत सारी शिकायतें थीं। और उसके पास करने के लिए बहुत कुछ था। वे लोगों को समूहों और जनजातियों में संगठित करते हैं।

तो, आप क्या देखेंगे? प्रत्येक जनजाति से ऐसे नेता होते हैं जिनका अभिषेक किया जाता है या उन्हें नेतृत्व पद दिया जाता है ताकि वे छोटे मुद्दों को संभाल सकें, और केवल बड़े मुद्दे ही मूसा के पास जाते हैं। अब, हम देखेंगे कि व्यवस्थाविवरण, एक बार जब हम अध्याय 16, 17, और 18 में पहुँच जाते हैं, तो हमें एक अन्य प्रकार की नेतृत्व संरचना प्रदान करने जा रही है जो तब उपयोगी होती है जब लोग भूमि पर जाते हैं और किसी स्थान के स्थायी निवासी होते हैं। यह हमारे यहां अध्याय एक में जो है उससे थोड़ा अलग है, क्योंकि अध्याय एक में, वे जंगल में भटक रहे हैं।

मूसा उनकी याददाश्त को ताज़ा कर रहे हैं: अच्छी भूमि में जाने में विफलता

ठीक है, तो अब मूसा उन लोगों की याद ताज़ा करने जा रहा है जो उसे सुन रहे थे। तो, वह उन्हें एक छोटी कथात्मक यात्रा पर ले जाने वाला है। हम जिस बात पर ध्यान देना चाहते हैं वह यह है कि वह जिन ऐतिहासिक घटनाओं को चुन सकता है, उनमें से वे कौन सी हैं जिन्हें वह लोगों को बताने के लिए चुनता है?

इस तरह से वह इससे सबक का एक हिस्सा तैयार करने जा रहा है। तो, मैं अध्याय 1 में पढ़ना जारी रखूंगा। इसलिए, मैं श्लोक 19 पर जा रहा हूँ। इसलिए अध्याय 1, श्लोक 19, "तब हम होरेब से निकले और उस सारे बड़े और भयानक जंगल से होकर गुजरे, जहां तुम थे हमने देखा, हम एमोरियों के पहाड़ी देश के मार्ग में हैं, जैसा हमारे परमेश्वर यहोवा ने हमें आज्ञा दी है, और हम कादेशबर्ने तक आए। मैं ने तुम से कहा, तुम एमोरियोंके पास के पहाड़ी देश में आ गए हो, हमारा परमेश्वर यहोवा तुम्हें देने पर है। देखो, तुम्हारे परमेश्वर यहोवा ने उस देश को तुम्हारे साम्हने रखा

है। तुम्हारे पितरोंके परमेश्वर यहोवा ने तुम से कहा है, उसके अनुसार जाकर उस पर अधिकार कर लो। मत डरो, और न घबराओ। निराश।"

"तब तुम सब मेरे पास आकर कहने लगे, हम अपने आगे से पुरूष भेज दें, कि वे उस देश में दूढ़-दूढ़कर हमारे पास समाचार पहुंचाएं, और उसके द्वारा हम उन नगरों को जाएं, जिन में हमें प्रवेश करना होगा।" यह बात मुझे अच्छी लगी, और मैं ने तेरे बारह पुरूषों को, अर्थात् हर एक गोत्र में से एक पुरूष को, साथ ले लिया। वे मुड़कर पहाड़ी देश की ओर चढ़ गए, और एस्कोल नाम वाले तक पहुंचे, और उसका भेद लिया, और उस देश की उपज में से कुछ ले लिया और उसे हमारे पास ले आए, और उन्होंने हमें यह समाचार दिया, कि वह अच्छा देश है, जिसे हमारा परमेश्वर यहोवा हमें देने पर है। फिर भी, आप ऊपर जाने को तैयार नहीं थे।"

हम कहानी को यहीं विराम देने जा रहे हैं। यह उन कुछ आख्यानों का पुनर्कथन है जो हमने संख्याओं की पुस्तक, नंबरस में सुना है। इसलिए, जब जासूस बाहर जाते हैं, और वे वापस आते हैं। यह वास्तव में कालेब और जोशुआ हैं, जो लोगों को यह बताने के लिए वास्तव में कड़ी मेहनत करते हैं कि उन्हें वास्तव में अंदर जाना चाहिए। लेकिन यह यह विशेषण है; यह एक अच्छी भूमि है। याद रखें, मैं कह रहा था कि व्यवस्थाविवरण की पुस्तक में उत्पत्ति 1 और 2 से भाषा उधार लेकर यह कहने के लिए बहुत प्रयास किया गया है कि यह एक ऐसी भूमि है जहाँ आप जा सकते हैं। इसमें एडेनिक-प्रकार के गुण हैं, हिब्रू में अच्छी भूमि, टोव। भूमि का यह अच्छा पहलू कुछ ऐसा है जिसे व्यवस्थाविवरण बार-बार दोहराता है। यह भूमि अच्छी है।

यह गूँजता है; शायद आप कह सकते हैं, कुछ लोग सहमत होंगे, कुछ लोग नहीं, लेकिन मैं तर्क दूंगा कि यह समझना शुरू हो रहा है कि सृष्टि कथाओं में, हर बार जब भगवान ने रचना की, तो वह स्थानों को विभाजित करता है, वह क्रम बनाता है, और फिर वह भरता है उन स्थानों में से प्रत्येक उन चीज़ों के साथ जो उन स्थानों से संबंधित हैं जो उन स्थानों में पनपेंगी। और हर बार जब वह ऐसा करता है, तो वह इसे "अच्छा" कहता है।

इसलिये अब हमारे पास यह भूमि है जिस में तुम जा सकते हो; यह वह अच्छी भूमि हो सकती है। और दो जासूसों, यहोशू और कालेब ने पहचान लिया कि यह अच्छा था। लेकिन लोग जाने को तैयार नहीं थे।

इसलिए, हम कविता 27 में फिर से कथा लेते हैं, जो कहती है, "और तुम अपने डेरे में बड़बड़ाते थे और कहते थे, 'यहोवा हम से बैर रखता है, इस कारण वह हम को मिस्र देश से निकाल ले आया है, कि हमें वश में कर दे।' एमोरियों ने हमें नष्ट करने को कहा है। हम कहां बढ़ सकते हैं? हमारे भाइयों ने यह कह कर हमारे मन को पिघला दिया है, 'लोग हम से बड़े और ऊँचे हैं। नगर बड़े हैं और स्वर्ग तक दृढ़ हैं। और इसके अलावा, हमने के पुत्रों को भी देखा है 'वहाँ अनाकिम ।' तब मैं ने तुम से कहा, चौको मत, उन से मत डरो; तुम्हारा परमेश्वर यहोवा जो तुम्हारे आगे आगे चलता है, वह तुम्हारी ओर से वैसे ही लड़ेगा, जैसा उस ने तुम्हारे साम्हने मिस्र में तुम्हारे लिये किया था।"

तो, व्यवस्थाविवरण में पहली बार, हमारे पास एक और अवधारणा है जो दिखाई देती है, वह यह है कि, भगवान अपने लोगों की ओर से योद्धा है। तो, फिर से, लोगों को उनके साथ रहने वाले परमेश्वर का लाभ मिल रहा है। वह पावरहाउस है। वह बड़ा गढ़ है। वह वह है जो अपने लोगों से पहले चलता है। वह वही हैं जो अपने लोगों की ताकत हैं।

हम पहले ही देख चुके हैं कि मिस्र में पिछली कथा में, भगवान ने खुद को एक योद्धा के रूप में दिखाया है। और मूसा को लोगों को स्मरण दिलाना पड़ा। हमारे पास कहानी के दो संस्करण हैं। हमारे पास वह संस्करण है जो आप खुद को बता रहे हैं कि आप डरते हैं, शहर बहुत बड़े हैं, लोग बहुत बड़े हैं, यह वास्तव में भयानक है कि हम अंदर नहीं जा सकते और जमीन नहीं ले सकते। और हमारे पास वह कथा है जो भगवान ने आपको पहले ही दिखा दी है। वह आपका योद्धा है; इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपका संदर्भ क्या है; वह विशाल साम्राज्यों के विरुद्ध जा सकता है, और वह जंगल में आपकी सहायता कर सकता है।

इसलिए, मूसा अब उस आत्मविश्वास की कहानी को उजागर करने की कोशिश कर रहा है जो लोगों को उनकी पिछली कहानी के कारण होना चाहिए।

जंगल में इज़राइल और भगवान

तो, श्लोक 31 में, यह कहता है, "और जंगल में, जहां तुमने देखा, कि तुम्हारा परमेश्वर यहोवा तुम्हें किस प्रकार उठाए हुए है, जैसे कोई अपने पुत्र को उठाए हुए है।" तो, फिर से, भगवान, एक बच्चे को ले जाने वाले माता-पिता के रूप में। "और इस स्थान तक पहुंचने तक तुम जिस सारे मार्ग पर चले हो। परन्तु इस सब में भी तुम ने यहोवा पर जो तुम्हारे आगे आगे चलता है, उस पर भरोसा न किया, कि रात को आग में डेरे डालकर तुम्हारे लिथे स्थान ढूंढ़े। दिन के समय बादल तुम्हें मार्ग दिखाए, जिस में तुम्हें चलना चाहिए।" यह तब होता है जब मेरी इच्छा होती है कि मैं आप सभी को जंगल में ले जा सकूँ क्योंकि यदि आप रात में उच्च रेगिस्तान में जंगल में हैं, तो यह काफी ठंडा हो सकता है, और फिर आग का खंभा पाकर आप वास्तव में खुश होंगे। और दिन में, चिलचिलाती गर्मी होती है क्योंकि सूरज आप पर पड़ता है। और आप दिन में बादल का एक खंभा पाकर वास्तव में खुश हैं। तो, जिस तरह से भगवान अपने लोगों के साथ प्रकट हो रहे हैं उसमें भी करुणा है।

मुझे यह पसंद है क्योंकि रब्बी, जब वे इस मार्ग के बारे में बात करते हैं तो वे इन स्तंभों के बारे में बात करते हैं जैसे कि वे भगवान के पैर हैं - आग का स्तंभ, धुएं का स्तंभ, आग का स्तंभ। तो, यह परमेश्वर है जो जंगल में यात्रा करते समय अपने लोगों के साथ चल रहा है। तो, यह ईश्वर को देखने का वास्तव में दयालु तरीका है।

इसलिए, कथा के इस भाग को बताने का चुनाव करके, मूसा मंच तैयार कर रहा है। आप अंदर जाने में असफल रहे क्योंकि आपने खुद पर भरोसा किया, आपने अपनी प्रवृत्ति को पढ़ लिया, और आप उस भूमि को एक अच्छी भूमि के रूप में देखने में असफल रहे। जिस चीज़ पर आपको भरोसा करना चाहिए था वह ईश्वर का आपका अनुभव है जो आपको पहले ही मिल चुका है। वह आपके साथ रहा है। वह आपका योद्धा रहा है, और वह योद्धा ही आपके साथ चलेगा।

क्षेत्र में अन्य लोग समूह: एदोम

खैर, एक और चीज़ जो हमारे पास है, जैसे ही हम अध्याय एक से बाहर निकलते हैं और फिर अध्याय 2 में जाते हैं, वह इस तथ्य के बारे में जागरूकता है कि इज़राइलियों के आसपास अन्य लोग भी हैं। वे शून्य में नहीं रह रहे हैं, लेकिन वास्तव में उनके आसपास बहुत सारे अन्य लोग हैं। तो, मैं इस मानचित्र पर कुछ विभाजन रेखाएँ खींचने जा रहा हूँ। तो, यहाँ यह नीली रेखा एक बड़ी विशाल घाटी से होकर जाती है; यह हमारे लिए लोगों के समूहों के बीच एक भौगोलिक विभाजन के रूप में कार्य करेगा।

तो, मैं उनमें से तीन को यहां रखने जा रहा हूँ। तो, हमें यहां इस विभाजन रेखा के दक्षिणी छोर पर जाना है; यह भूमि एदोम का गढ़ बन जाती है।

और हमारे पास एक सड़क है; मैं आपको बताना भूल गया, यह वह सड़क है जिस पर इसराइली वास्तव में भूमि में इस मार्ग को खोजने के लिए यहां रहने वाले लोगों के सुदूर पूर्वी हिस्से में इस सड़क पर यात्रा करने जा रहे हैं।

ठीक है, तो अब हम एदोम के बारे में बात कर सकते हैं। तो, एदोम यहीं रहने वाला है। अब, व्यवस्थाविवरण पूरी तरह से अवगत है कि एडोमाइट्स पहले से ही मौजूद हैं। यदि आप वीडियो को रोककर देखना चाहते हैं तो मैंने यहां कुछ छंद रखे हैं; इन श्लोकों को पढ़ें। तुम्हें अपने आप से पूछना चाहिए, एदोम कौन है? वे कौन लोग हैं जो यहां रहते हैं? हमारे पास इस्राएलियों के एदोमियों की ये सभी कहानियाँ हैं जो संघर्ष में हैं या जो एदोमियों के साथ व्यापार समझौते कर रहे हैं। तो, वे कौन हैं? यह उनका हृदय स्थल है। यह वह भूमि है जिस पर वे अपने अस्तित्व के अधिकांश समय के लिए नियंत्रण करने में सक्षम हैं। जब वे वास्तव में शक्तिशाली होते हैं, तो कभी-कभी वे बाहर की ओर विस्तार कर सकते हैं। परन्तु एदोमी भूमि यहाँ के दक्षिण में है।

तो, उन छंदों को पढ़ें और पता लगाएं कि एदोम कौन है। अब, निःसंदेह, यह इज़राइली दृष्टिकोण से होगा। तो इस तरह इज़राइली अपनी कहानी बता रहे हैं। हमारे पास एदोमियों का कोई बड़ा लंबा इतिहास नहीं है जो हमें इतिहास के उनके संस्करण के बारे में बताता हो, लेकिन एदोम इब्राहीम तक फैला हुआ है। तो, इब्राहीम का पहला बेटा इश्माएल मिस्र के गुलाम हाजिरा से

पैदा हुआ था। इश्माएल को ईश्वर से आशीर्वाद मिला कि ईश्वर उसे आशीर्वाद देगा और वह एक राष्ट्र में बदल जाएगा।

खैर, फिर हम कुछ पीढ़ियों बाद देखेंगे। हमारे पास है, फिर इसहाक, फिर याकूब। और याकूब एसाव का जुड़वाँ भाई है। इसलिए, जब याकूब और एसाव आमने-सामने हो जाते हैं और उनके बीच संघर्ष होता है, और इसहाक एसाव से उतना प्यार नहीं करता है, और एसाव देखता है कि रिश्ते में तनाव है। एसाव फिर इश्माएल के पास अपने अतिरिक्त परिवार के पास जाता है, और वह इश्माएल के परिवार से शादी करता है। और एसाव के वंशज ही एदोम देश बने। तो, हमारी यह मान्यता है कि वे एक प्रकार का परिवार हैं।

लेकिन व्यवस्थाविवरण कहता है, अध्याय 2 में, भगवान इस्राएलियों से कहते हैं, जब तुम इस सड़क पर यात्रा कर रहे हो, और तुम उस देश में जाने के लिए तैयार हो रहे हो जो मैंने तुम्हें दिया है, तो एदोम की भूमि में मत जाना। यह आपकी भूमि नहीं है क्योंकि भगवान का अपना रिश्ता है और उसकी अपनी वाचा है, उसने हाजिरा से वादा किया था। उन्होंने हाजिरा से कहा, "आपका पुत्र एक शक्तिशाली राष्ट्र में बदल जाएगा," और हम व्यवस्थाविवरण की पुस्तक में जो देख रहे हैं वह यह है कि भगवान पहचान रहे हैं कि ये लोग यहाँ हैं; वे अपने देश में चले गए हैं। उनसे यह मत लो. यह आपकी ज़मीन नहीं है जिसे आप लेना चाहते हैं।

मोआब और अम्मोन

तो, फिर हम यहां इन दोनों क्षेत्रों के बीच में उत्तर की ओर थोड़ा आगे बढ़ते हैं। यह भौगोलिक क्षेत्र मोआब के हृदय स्थल के रूप में जाना जाता है। तो मोआब कहाँ से आता है? मोआब शीर्ष पर अम्मोन से संबंधित है। अम्मोन यहाँ इस घाटी के उत्तरी किनारे पर है।

इसलिए, उनका इतिहास बहुत जोखिम भरा है। इसलिए, यदि आप जाते हैं और आप उसे पढ़ते हैं, तो आप फिर से इब्राहीम के पास नहीं बल्कि उसके भतीजे लूत के पास वापस जा रहे हैं। तो, लूत और इब्राहीम, जब उनके परिवार बड़े हो रहे हैं, झुंड बहुत बड़े हो रहे हैं, और उन्हें अलग होना होगा। लूत दक्षिण की ओर जाता है और सदोम और अमोरा के निकट घूमता है। ये कहानी

तो आप जानते ही हैं. और फिर बड़ी आग आने वाली है और सदोम और अमोरा को नष्ट कर देगी। और जब लूत अपनी पत्नी और अपनी दो बेटियों के साथ निकलता है, तो भागने और पश्चिम की ओर पहाड़ी देश में जाने के बजाय, जहां इब्राहीम था, वे भाग जाते हैं और पूर्व की ओर चले जाते हैं। मैं इस पर हमेशा हैरान रहता हूँ। प्राचीन निकट पूर्वी रिवाज का मतलब यह होगा कि वे अपने परिवार, या विस्तारित परिवार के पास जाएंगे, और वे विपरीत दिशा में जाना चुनते हैं। अतः लूत की पत्नी नमक का खम्भा बन गयी। तब उनकी दो बेटियों ने फैसला किया कि हम शादी नहीं करेंगे। हम बच्चे कैसे पैदा करेंगे? हमें एक पारिवारिक संरचना की आवश्यकता है। चलो पिताजी के साथ सोते हैं. और फिर हमें मोआब और अम्मोन मिलते हैं। तो, बहुत जोखिम भरा।

अब हम लगभग कल्पना कर सकते हैं कि इस्राएली मोआब और अम्मोन की कहानी बता रहे हैं, यह उनके इतिहास का हमारा संस्करण है कि वे कहाँ से आए हैं, और यह थोड़ा अनुचित है, हमें कहना चाहिए। तो, मोआब सबसे बड़ी बेटी से है, और अम्मोन सबसे छोटी बेटी से है।

व्यवस्थाविवरण की पुस्तक में, व्यवस्थाविवरण अध्याय 2 में, भगवान मोआब के चारों ओर से गुजरने के लिए कहते हैं। अंदर मत जाओ। मोआब के साथ मेरी अपनी वाचा है। मोआब उस देश में चला गया है जो उन्हें विरासत में मिलता है। उनकी जमीन मत छीनो. और अम्मोनियों की भूमि मत लेना, क्योंकि उनके साथ मेरी वाचा है, और वे उस भूमि में चले गए हैं, जिस में उन्हें बसना है। इसलिये तुम जाकर उनकी भूमि मत लेना। वह आपकी जमीन नहीं है. वह वह भूमि नहीं है जो तुम्हें मिलती है। ताकि हमें पहले से ही यह एहसास हो कि ईश्वर अन्य लोगों के इतिहास में बातचीत कर रहा है।

इस्राएली अच्छी भूमि में कैसे प्रवेश करते हैं: मेडेबा पठार

अब, जिन लोगों को उनकी विरासत वाली ज़मीन पर कब्ज़ा करना चाहिए, वे कैसे होंगे? वे वहाँ कैसे गए? खैर, हमारे पास इन दो बड़ी घाटियों के बीच में यह मध्य भूमि है। ध्यान दें, मेरे यहाँ कोई बड़ा सफ़ेद वर्ग नहीं है। इस भूमि को अब मेडेबा पठार कहा जाता है। लेकिन यह ज़मीन कभी भी एक पूरे लोगों के समूह की नहीं रही। यह आगे-पीछे फ़्लॉप-फ़्लॉप हुआ। इसलिए, अम्मोन ने इसे तब लिया जब वे बहुत अमीर थे। जब मोआब धनी था तब मोआब ने इसे ले लिया। बाद में

इस्राएल के इतिहास में, हम पाते हैं कि इस्राएलियों ने आकर इसे ले लिया। यह कोई खाली भूमि नहीं है, यह बहुत अच्छी तरह से विकसित भूमि है, लेकिन यह किसी विशेष जन समूह का हृदय स्थल नहीं है। और इसलिए, भगवान कहते हैं, तुम इस रास्ते से गुजर सकते हो।

समुद्र तट पर पलिशती

अब, इससे पहले कि हम वहां पहुंचें और वह कहानी बताएं, हमारे पास बात करने के लिए कुछ और लोगों के समूह हैं।

यह पश्चिमी तट पर सुदूर तट पर है। हमारे पास फ़िलिस्तीनी हैं। और इसलिए, पलिशतियों का उल्लेख व्यवस्थाविवरण, अध्याय 2 में मिलता है। यदि हमें अनुसरण करना हो, तो वे कौन हैं? अब वे कहाँ से आते हैं? अब हमें कई अन्य विभिन्न प्रकार के बाइबिल-संबंधी इतिहासों को काटकर एक साथ जोड़ना होगा। हम उन्हें समुद्री लोग कहते हैं। उनमें से एक हिस्सा उस क्षेत्र से आता है जिसे हम आधुनिक ग्रीस कहते हैं। और वे क्यों भागे और क्यों उन्होंने बड़े कारवां के रूप में एक नई भूमि की यात्रा की; हम अभी भी उनमें से कुछ पर काम कर रहे हैं। अन्य बाइबिल-संबंधी साहित्य, आधुनिक समय का साहित्य है; आप उन लोगों को पढ़ सकते हैं जो इसका अध्ययन कर रहे हैं। लेकिन जहां तक समय अवधि का सवाल है, हमें यह जानने की जरूरत है कि पलिशती एक बिल्कुल नया समूह है जो इस देश में आ रहा है और तट पर बस रहा है, लगभग उसी समय जब इस्राएली इस देश में आ रहे थे। पलिशतियों को कनानी संस्कृति का हिस्सा नहीं माना जाता था, जिसने पूरे पहाड़ी देश को भर दिया था, जहां इस्राएली जा रहे थे।

ओग और सीहोन हार गये

आइए अध्याय 2 और 3 का थोड़ा सा भाग समाप्त करें, और हम अपने ऐतिहासिक आख्यानों के कुछ हिस्सों को बंद कर देंगे। तो, हमने तुलना देखी है कि कैसे लोग कार्य करने और अंदर जाने से डर रहे हैं, और मूसा कह रहा है, परन्तु तुम्हें भरोसा रखना चाहिए क्योंकि परमेश्वर तुम्हारा पिता है; परमेश्वर तुम्हारे आगे चलने वाला योद्धा है। हमने अध्याय 2 में देखा है कि भगवान कैसे कहते हैं, इन अन्य लोगों के समूहों के चारों ओर जाओ; आप मेडेबा पठार के माध्यम से

स्लाइड कर सकते हैं, जहां सीहोन है। और दिलचस्प बात यह है कि, जॉर्डन पार करने और देश में जाने वाले लोगों का नेतृत्व करने के लिए, हमारे पास भगवान हैं जो नेता के रूप में मूसा के साथ युद्ध में जा रहे हैं। वे पहले सीहोन से लड़ते हैं, और फिर वे सुदूर उत्तर की ओर जाते हैं और ओग से लड़ते हैं।

और आप कह सकते हैं, ये कुछ अजीब हैं; हमें इन कहानियों की आवश्यकता क्यों है? खैर, अगर हम इसे संदर्भ में रखें, तो लोगों के अंदर जाने से डरने का पूरा कारण यह था कि वे लड़ाई लड़ने से डरते थे। और इसलिए, अब, मूसा के नेतृत्व में, वे बहुत वास्तविक लड़ाइयों से गुजरते हैं, लेकिन यह लगभग अभ्यास लड़ाइयों जैसा है। एक मानवीय नेता और भगवान को अपना योद्धा मानते हुए इसी तरह व्यवहार करें और वे जीत जाएं। और वे सीहोन को जीतने और भूमि के एक हिस्से को खोलने में सक्षम हैं ताकि उनकी जॉर्डन तक पहुंच हो और वे अपनी भूमि में प्रवेश कर सकें। वे ऊपर जाकर ओग पर विजय प्राप्त करने में सक्षम हैं, जो उस क्षेत्र का नेता था जिसमें बड़े बड़े शहर थे और बड़े शहर के द्वार थे।

और इसलिए अब मूसा कह सकता है, इसलिए उन लड़ाइयों को याद रखें। अब, जैसे ही मैं यहोशू को नेतृत्व सौंपता हूं, आप देश में यहोशू का अनुसरण करेंगे, और भगवान अभी भी आपका योद्धा होगा, और आप अभी भी अंदर जा सकते हैं। तो भले ही आप थे शुरू में डरते थे और ज़मीन पर नहीं जाते थे, हो सकता है अब भी डरते हों; आपको अभी भी अंदर जाने की जरूरत है। लेकिन भूमि में ईडन की तरह बनने की क्षमता है। और इसलिए आप इसे कर सकते हैं यदि आप इसे ईश्वर के साथ करते हैं, जो आपके साथ है। और फिर, यहां से, हम अध्याय 4 में आगे बढ़ेंगे।

यह डॉ. सिंथिया पार्कर और व्यवस्थाविवरण की पुस्तक पर उनका शिक्षण है। यह सत्र 2 है, व्यवस्थाविवरण 1-3 की ऐतिहासिक प्रस्तावना।